RET/13/Test B

691	Jain Darshan

Question Booklet No. ....

(*To be filled up by the candidate by* ***blue/black ball-point pen***)

Roll No. | | | | | | | | | |

Roll No. (Write the digits in words) ....

Serial No. of OMR Answer Sheet ....

Day and Date ....
(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only ***blue/black ball-point pen*** in the space above and on both sides of the ***Answer Sheet***)

1. Within 10 minutes of the issue of the Question Booklet, Please ensure that you have got the correct booklet and it contains all the pages in correct sequence and no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet, bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope.*
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top, and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet No. and Set No. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet No. on the Question Booklet.*
7. *Any changes in the aforesaid-entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *This Booklet contains 40 multiple choice questions followed by 10 short answer questions. For each MCQ, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet. For answering any five short Answer Questions use five Blank pages attached at the end of this Question Booklet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed.* If you *do not wish to attempt* a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit *both OMR Answer Sheet and Question Booklet* at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण-पृष्ठ पर दिये गये हैं।]

Total No. of Printed Pages : 16

FOR ROUGH WORK/रफ कार्य के लिए

Research Entrance Test – 2013

No. of Questions : 50

प्रश्नों की संख्या : 50

Time : 2 Hours *Full Marks : 200*

समय : 2 घण्टे *पूर्णांक : 200*

Note : (i) This Question Booklet contains **40** Multiple Choice Questions followed by **10** Short Answer Questions.

इस प्रश्न पुस्तिका में **40** वस्तुनिष्ठ व **10** लघु उत्तरीय प्रश्न हैं।

(ii) Attempt as many MCQs as you can. Each MCQ carries **3 (Three)** marks. **1 (One)** mark will be deducted for each incorrect answer. Zero mark will be awarded for each unattempted question. If more than **one** alternative answers of MCQs seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न **3 (तीन)** अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए **1 (एक)** अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा। यदि वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

(iii) Answer only 5 Short Answer Questions. Each question carries **16 (Sixteen)** marks and should be answered in **150-200** words. Blank **5 (Five)** pages attached with this booklet shall only be used for the purpose. Answer each question on separate page, after writing Question No.

केवल **5 (पाँच)** लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न **16 (सोलह)** अंकों का है तथा उनका उत्तर **150-200** शब्दों के बीच होना चाहिए। इसके लिए इस पुस्तिका में लगे हुए सादे 5 (पाँच) पृष्ठों का ही उपयोग आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक नए पृष्ठ से, प्रश्न संख्या लिखकर शुरू करें।

1. आश्वलायन श्रौतसूत्रं सम्बद्धम् –

(1) सामवेदेन (2) अथर्ववेदेन (3) ऋग्वेदेन (4) यजुर्वेदेन

2. "त्वमेव माता च पिता त्वमेव" इत्यत्र छन्दो वर्तते –

(1) वंशस्थः (2) वसन्ततिलकः (3) उपेन्द्रवज्रा (4) मालिनी

3. "अहम् त्वां पश्यामि" इत्यस्य कर्मवाच्ये रूपमस्ति –

(1) मया त्वं दृश्ये (2) मया त्वं दृश्यसे

(3) त्वया अहं दृश्यसे (4) मया त्वं दृश्यते

4. अध्वर्युः कस्य वेदस्य ऋत्विक् वर्तते ?

(1) ऋग्वेदस्य (2) यजुर्वेदस्य (3) सामवेदस्य (4) अथर्ववेदस्य

5. तर्कसंग्रहानुसारं कर्म भवति –

(1) द्विविधम् (2) त्रिविधम् (3) चतुर्विधम् (4) पञ्चविधम्

6. मेषराशेः स्वामी वर्तते –

(1) मंगलः (2) बुधः (3) गुरूः (4) आदित्यः

7. न्यायदर्शनानुसारं गुणः नास्ति –

(1) रसः (2) तमः (3) रूपम् (4) बुद्धिः

8. भास-विरचितम् नास्ति –

(1) स्वप्नवासवदत्तम् (2) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्

(3) उत्तररामचरितम् (4) अविमारकम्

9. मुण्डकोपनिषद् सम्बद्धा वर्तते –

(1) ऋग्वेदेन (2) सामवेदेन (3) यजुर्वेदेन (4) अथर्ववेदेन

10. "तत्त्वमसि" इति उद्घोषः –

(1) ईशावास्योपनिषदः (2) कठोपनिषदः

(3) छान्दोग्योपनिषदः (4) प्रश्नोपनिषदः

11. 'प्रवचनसारः' इति ग्रन्थस्य कर्ता –

(1) आचार्यसमन्तभद्रः
(2) आचार्यकुन्दकुन्दः
(3) आचार्यप्रभाचन्द्रः
(4) आचार्यमाणिक्यनन्दी

12. प्रवचनसारे अधिकाराः सन्ति –

(1) एकः
(2) द्वौ
(3) त्रयः
(4) चत्वारः

13. अनुप्रेक्षायाः भेदाः सन्ति –

(1) नव
(2) दश
(3) एकादश
(4) द्वादश

14. द्रव्यं अस्तिकाये न परिगणितम् –

(1) जीवद्रव्यम्
(2) पुद्गलद्रव्यम्
(3) कालद्रव्यम्
(4) धर्मद्रव्यम्

15. 'शास्त्रवार्तासमुच्चयः' इति ग्रन्थस्य कर्ता –

(1) आचार्यवादिदेवसूरिः
(2) आचार्य-अमृतचन्दसूरिः
(3) आचार्यहरिभद्रसूरिः
(4) आचार्यमल्लिषेणसूरिः

16. 'लघीयस्त्रयग्रन्थे' परिच्छेदाः सन्ति –

(1) चत्वारः
(2) पञ्च
(3) षट्
(4) सप्त

17. 'सम्यगर्थनिर्णयः प्रमाणम्' इति सूत्रम् अस्ति –

(1) तत्त्वार्थसूत्रस्य
(2) परीक्षामुखस्य
(3) प्रमाणमीमांसायाः
(4) प्रमाणनिर्णयस्य

18. 'आप्तमीमांसा' इति ग्रन्थस्य भास्यकारः –

(1) आचार्यविद्यानन्दी
(2) आचार्यहरिभद्रः
(3) आचार्यप्रभाचन्द्रः
(4) आचार्यहेमचन्द्रः

19. 'लघीयस्त्रय' इति ग्रन्थस्य भाष्यकारः –

(1) आचार्यविद्यानन्दी
(2) आचार्यप्रभाचन्द्रः
(3) आचार्यहेमचन्द्रः
(4) आचार्यदेवसेनः

20. अनिन्द्रियप्रत्यक्षस्य भेदाः सन्ति –

(1) एकः
(2) द्वौ
(3) त्रयः
(4) चत्वारः

21. 'स्याद्वादः' इति पदे 'स्यात्' पदस्यार्थः अस्ति –

(1) सम्भावना
(2) कथञ्चित्
(3) संशयः
(4) विपरीतार्थः

22. जैनदर्शने परोक्षप्रमाणस्य भेदाः सन्ति –

(1) त्रयः
(2) चत्वारः
(3) पञ्च
(4) षट्

23. जैनदर्शने पदार्थाः स्वीकृताः सन्ति –

(1) सप्त
(2) अष्ट
(3) नव
(4) एकादश

24. आचार्यकुन्दकुन्दस्य 'प्रवचनसारः' इति ग्रन्थः अस्ति –

(1) प्राकृतभाषायाम्
(2) संस्कृतभाषायाम्
(3) अपभ्रंशभाषायाम्
(4) तमिलभाषायाम्

25. जैनदर्शने वस्तुनः स्वरूपं स्वीकृतम् –

(1) परिणामिनित्यरूपेण
(2) नित्यरूपेण
(3) अनित्यरूपेण
(4) नित्यानित्यनिरपेक्षरूपेण

26. आप्तमीमांसायाः रचयिता –

(1) आचार्यदेवनन्दी
(2) आचार्यसमन्तभद्रः
(3) आचार्यहरिभद्रः
(4) आचार्य-अकलङ्कदेवः

27. जैनदर्शने अनुमानम् –

(1) द्विविधम्
(2) त्रिविधम्
(3) चतुर्विधम्
(4) पञ्चविधम्

28. 'कलिकालसर्वज्ञः' इत्युपाधिना विभूषितः –

(1) आचार्यसमन्तभद्रः
(2) आचार्य-अकलङ्कदेवः
(3) आचार्यहेमचन्द्रः
(4) आचार्यसिद्धसेनः

29. सामान्यरूपेण नयस्य भेदाः सन्ति –

(1) पञ्च
(2) सप्त
(3) अष्टौ
(4) द्वादश

30. जैनदर्शने कर्म स्वीकृतम् –

(1) चैतसिकम्
(2) आत्मिकम्
(3) पौद्गलिकम्
(4) मानसिकम्

31. 'सावरणत्वे करणजन्यत्वे च प्रतिबन्धसम्भवात्' इति सूत्रम् अस्ति –

(1) परीक्षामुखस्य
(2) प्रमाणमीमांसायाः
(3) प्रमाणनिर्णयस्य
(4) तत्त्वार्थसूत्रस्य

32. जैनदर्शने आत्मनः परिमाणम् अस्ति –

(1) अङ्गुष्ठपरिमाणम्
(2) स्वदेहपरिमाणम्
(3) ब्रीहिपरिमाणम्
(4) आकाशपरिमाणम्

33. प्रमेयरत्नमालाग्रन्थस्य रचनाकारः –

(1) आचार्यमाणिक्यनन्दी
(2) आचार्यविद्यानन्दी
(3) लघु-अनन्तवीर्यः
(4) आचार्यज्ञानसागरः

34. निक्षेपस्य भेदाः सन्ति –

(1) एकः
(2) द्वौ
(3) त्रयः
(4) चत्वारः

35. जैनदर्शने ज्ञानम् –

(1) द्विविधम्
(2) त्रिविधम्
(3) चतुर्विधम्
(4) पञ्चविधम्

36. जैनदर्शने प्राधान्येन ध्यानस्य भेदाः सन्ति –

(1) द्वौ
(2) त्रयः
(3) चत्वारः
(4) पञ्च

37. कर्मबन्धस्य भेदाः सन्ति –

(1) चत्वारः
(2) पञ्च
(3) सप्त
(4) अष्टौ

38. एकदेशदोषोऽस्ति –

(1) अतिचारः
(2) अनाचारः
(3) अत्याचारः
(4) दुराचारः

39. पञ्चेन्द्रियजीवस्य द्रव्यप्राणाः भवन्ति –

(1) सप्त (2) अष्टौ

(3) नव (4) दश

40. श्रावकस्य विकाससोपानानि भवन्ति –

(1) दश (2) एकादश

(3) द्वादश (4) त्रयोदश

Attempt any five questions. Write answer in 150-200 words. Each question carries 16 marks. Answer each question on separate page, after writing Question Number.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 150-200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अलग पृष्ठ पर प्रश्न संख्या लिख कर शुरू करें।

1. प्रवचनसारग्रन्थस्य वैशिष्ट्यं विवेचनीयम्।
2. अनेकान्तवादस्य स्वरूपं निरूप्यताम्।
3. पुद्गलास्तिकायस्य स्वरूपं वर्ण्यताम्।
4. प्रत्यक्षप्रमाणस्य स्वरूपं निरूप्यताम्।
5. नयस्य स्वरूपं प्रतिपाद्यताम्।
6. जैनदर्शने रत्नत्रयस्य स्वरूपं निरूप्यताम्।
7. अनुप्रेक्षायाः स्वरूपं महत्त्वञ्च प्रतिपादनीयम्।
8. जैनदर्शने आत्मस्वरूपं निरूपणीयम्।
9. सप्तभङ्गीवादः विविच्यताम्।
10. जैनदर्शने अनुमानस्य स्वरूपं प्रतिपाद्यताम्।

Roll No. : .....

Q. No. :

Roll No. : .....

Q. No. :

Roll No. : .....

Q. No. :

Roll No. : .....

Q. No. :

Roll No. : .....

Q. No. :

FOR ROUGH WORK/रफ कार्य के लिए

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण-पृष्ठ पर तथा ***उत्तर-पत्र*** के दोनों पृष्ठों पर केवल ***नीली/काली बाल-प्वाइंट पेन*** से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही कृपया देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में ***लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त,*** लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। ***इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा।***
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. ***उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।***
6. ***ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्न-पुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्न-पुस्तिका पर अनुक्रमांक संख्या और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।***
7. ***उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।***
8. ***प्रश्न-पुस्तिका में 40 बहुविकल्पीय तथा 10 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिये आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है। किन्हीं पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर के लिए प्रश्न पुस्तिका के अन्त में पाँच खाली पृष्ठ दिये गये हैं।***
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिये केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. *ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है।* यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर *नहीं देना चाहते हैं,* तो सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे (प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।)
11. रफ कार्य के लिये इस पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा अंतिम खाली पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त ***दोनों ओ० एम० आर० उत्तर-पत्र एवं प्रश्न पुस्तिका*** परीक्षा भवन में जमा करें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की भागी होगा/होगी।